onlineBU.com

UN – 036

III Semester B.A. Examination, Nov./Dec. 2015
(Fresh) (C.B.C.S) (2015-16 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Sankshipthikaran Aur Anuvad

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) सम्राट चन्द्रगुप्त के महामात्य कौन थे ?
2) सोमदत्त किस गाँव का निवासी था ?
3) वस्त्र और आभूषण की चोरी किसने की ?
4) चाणक्य के किस ग्रंथ में दण्डों के बारे में लिखा गया है ?
5) 'अग्निशिखा' के रचनाकार का नाम क्या है ?
6) चाणक्य का प्रतिद्वन्द्वी कौन था ?
7) कुसुमपुर में किस उत्सव की तैयारी की जाती है ?
8) चाणक्य के गुप्तचरों से सुवासिनी की रक्षा किसने की ?
9) राजा पर्वतक को हलाहल विष का पान कौन कराती है ?
10) राक्षस का गुप्तचर कौन था ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(7×2=14)**

1) महामात्य इसी कुटी में रहते हैं। प्रजाजन के लिए जब महल खड़े नहीं होते तो, महामात्य अपना अधिकार नहीं समझते कि वे महलों में रहें।
2) वृद्ध पुरुष ! मनुष्य का एक ही पद है और वह पद है मानवता के सोपान पर प्रतिष्ठित होना।
3) नारी शरीर से भले ही दुर्बल हो किन्तु मन से वह ब्रह्मास्त्र से भी अधिक शक्तिशालिनी है।

III. 'अग्निशिखा' नाटक की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश ड़ालिए। **(16×1=16)**

अथवा

'सुवासिनी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

P.T.O.

onlineBU.com

IV. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

1) रविसेन।

2) वसुगुप्त।

3) रोहिणी।

V. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए **एक** तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : 10

यदि सभी लोग अपने-अपने धर्म का पालन करें तो सभी सुखी और समृद्ध होंगे, परंतु आज ऐसा नहीं हो रहा है। धर्म का स्थान गौणातिगौण हो गया है इसलिए सुख और समृद्धि भी गूलर का फूल हो गई है। यदि एक सुखी और दूसरा सम्पन्न है, तो पचास दु:खी और दरिद्र हैं। साधनों की कमी नहीं है, परन्तु धर्मबुद्धि के विकसित न होने से उनका उपयोग नहीं हो रहा है। स्वार्थी प्रकृति के प्राणी तो समाज में सभी कालों में रहे हैं और रहेंगे, परन्तु आजकल ऐसे लोगों को अपनी प्रवृत्ति के अनुसार काम करने का खुला अवसर मिल जाता है और उसकी सफलता दूसरों को उनका अनुगामी बना देती है। दूसरी ओर जो लोग सदाचारी हैं उनके मार्ग में पद-पद पर अड़चनें पड़ती हैं।

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

In India Ten percent of the people either till the Soil or are employed in work connected with farming. Most of them are not rich, so to buy Seeds and stock and to carry on their business, they are often forced to borrow money. The village banker lends them money and for security the farmers must pledge their land with him. But since the farmers often are simple and ignorant and the bankers greedy and canning the bankers make the farmer pay very high interest on the loans he takes.

ಭಾರತ ದೇಶದ ಒಟ್ಟು ಜನಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಶೇಕಡಾ ಹತ್ತರಷ್ಟು ಜನರು ಬೇಸಾಯಗಾರರು ಅಥವಾ ಬೇಸಾಯದ ಕೆಲಸಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟವರು. ಅವರಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಮಂದಿ ಬಡವರು ಆದ ಕಾರಣ ಬೀಜ ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಲಿಕ್ಕೋ ಅಥವಾ ಸಾಗುವಳ್ಳಿಯ ಇತರ ಕೆಲಸಗಳಿಗೋ ಅವರು ಹಣ ಸಾಲ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳ ಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಹಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಸಾಲ ಕೊಡುವವನು ಅವರಿಗೆ ಹಣ ಸಾಲ ಕೊಡುತ್ತಾನೆ. ಆದರೆ ಬೇಸಾಯಗಾರನು ಹಣದ ಭದ್ರತೆಗೆ ತನ್ನ ಹೊಲಗದ್ದೆಗಳನ್ನು ಅವನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಈಡಾಗಿ ಇಡಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಆದರೆ ಬೇಸಾಯಗಾರರು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಕಪಟವರಿಯದ ಸರಳ ಸ್ವಭಾವದವರಾಗಿರುವುದರಿಂದಲೂ ಸಾಲಗಾರರು ಲೋಭಿಗಳಾಗಿಯೂ, ಮೋಸಗಾರರಾಗಿಯೂ ಇರುವುದರಿಂದ ಬೇಸಾಯಗಾರರಿಂದ ತಾವು ಕೊಟ್ಟ ಸಾಲಕ್ಕೆ ಮಿತಿಮೀರಿ ಬಡ್ಡಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಾರೆ.